आपका ब्रांड यहाँ
आपका नाम, लोगो, रंग और संपर्क विवरण यहाँ छपते हैं

कुण्डली मिलान रिपोर्ट

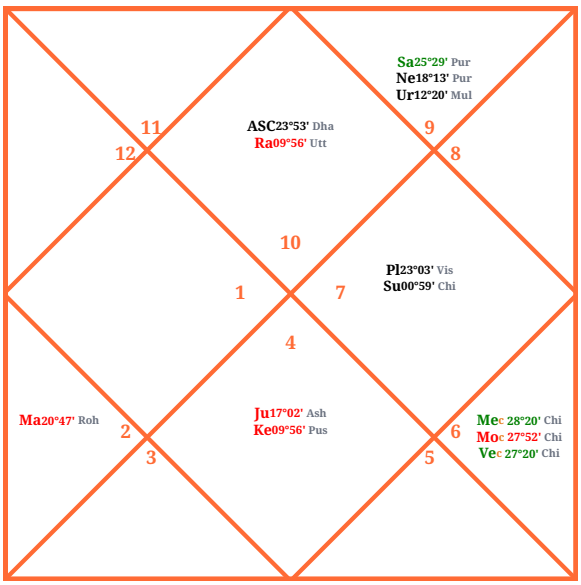
नमूना रिपोर्ट

वर · दिनांक और समय	1990-10-18T14:30:00
वर · समय क्षेत्र	Asia/Kolkata
वर · अक्षांश	28.6139
वर · देशांतर	77.209
वधू · दिनांक और समय	1992-03-02T05:47:00
वधू · समय क्षेत्र	Asia/Kolkata
वधू · अक्षांश	19.0767
वधू · देशांतर	72.8767
तैयार	2026-11-08
भाषा	hi

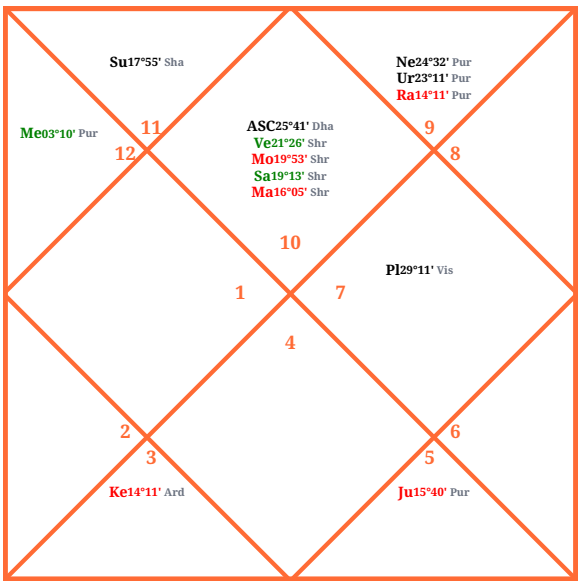
विषय-सूची

कुण्डलियाँ 3
वर 3
वधू 3
स्कोर 4
संयुक्त 4
रज्जु 5
वेध 5
वीटो 5
मंगल दोष 6
व्यक्तित्व 6
निर्णय 6

कुण्डलियाँ



वर · जन्म कुण्डली (D1)



वधू · जन्म कुण्डली (D1)

वर

नक्षत्र	चित्रा
पद	2
चंद्र राशि	कन्या
लग्न	मकर

मंगल दोष

वर्तमान	नहीं
लग्न से	नहीं
चंद्र से	नहीं
शुक्र से	नहीं
मंगल राशि	वृषभ

वधू

नक्षत्र	श्रवण
पद	3
चंद्र राशि	मकर
लग्न	मकर

मंगल दोष

वर्तमान	हाँ
लग्न से	हाँ

चंद्र से	हाँ
शुक्र से	हाँ
मंगल राशि	मकर

स्कोर

प्रणाली	Ashtakoot rajju vedha
कुल	19
अधिकतम	36
प्रतिशत	52.8
निर्णय	Average

कूट

नाम	स्कोर	अधिकतम	वर	वधू	वर से वधू	वधू से वर
वर्ण	1	1	वैश्य	वैश्य		
वश्य	1	2	मानव	Chatushpada		
तारा	3	3	Param Mitra	Sampat	तारा: Param Mitra; स्कोर: 3	तारा: Sampat; स्कोर: 3
योनि	2	4	बाघ	बंदर		
ग्रह मैत्री	4	5				
गण	0	6	राक्षस	देव		
भकूट	0	7				
नाड़ी	8	8	मध्य	अन्त्य		

नाम	वधू स्वामी	वर सम्बन्ध	वधू सम्बन्ध	वर राशि	वधू राशि	समान नाड़ी
वर्ण						
वश्य						
तारा						
योनि						
ग्रह मैत्री	शनि	सम	मित्र			
गण						
भकूट				कन्या	मकर	
नाड़ी						नहीं

दोष · नाड़ी	नहीं
दोष · भकूट	हाँ

संयुक्त

कुल	24
अधिकतम	41
प्रतिशत	58.5
निर्णय	Average

रज्जु

वर · सूत्र	Siro
वर · शरीर का अंग	Head
वधू · सूत्र	Kantha
वधू · शरीर का अंग	Neck
समान कॉर्ड	नहीं

3 स्कोर

अधिकतम	3

समझाया गया
रज्जु कूट 27 नक्षत्रों को पाँच रज्जुओं में बाँटता है, जिनमें से प्रत्येक रज्जु शरीर के एक अंग और वैवाहिक जीवन के एक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती है। शास्त्रीय नियम यह है कि दोनों साथी एक ही रज्जु में नहीं होने चाहिए।

फलादेश
दोनों कुण्डलियाँ अलग-अलग रज्जुओं (शिरो (सिर) और कंठ (गर्दन)) में पड़ती हैं, जो अनुकूल स्थिति है। प्रत्येक साथी का सशक्त क्षेत्र दूसरे के दुर्बल क्षेत्र की पूर्ति करता है।

वेध

वर्तमान	नहीं

2 स्कोर

अधिकतम	2

समझाया गया
वेध का अर्थ है बाधा। पंद्रह नक्षत्र-युग्म परस्पर वेधकारी माने जाते हैं, और जो मिलान इनमें से किसी युग्म पर पड़ता है, उसे शास्त्रीय रूप से अस्वीकार किया जाता है, चाहे कुण्डली के शेष अंक कितने ही अच्छे हों।

फलादेश	चित्रा और श्रवण वेध-युग्म नहीं बनाते, इसलिए यह शास्त्रीय आपत्ति इस मिलान पर लागू नहीं होती।

वीटो

वीटो 1

कूट	भकूट
स्कोर	0
अधिकतम	7

अर्थ
भकूट के अंक शून्य हैं, जो शास्त्रीय रूप से दोनों कुण्डलियों के बीच प्रतिकूल चन्द्र-राशि अक्ष का संकेत देता है। परंपरागत रूप से इसे स्वभाव की अनुकूलता के विरुद्ध नहीं बल्कि समृद्धि और गृहस्थी की दीर्घायु के विरुद्ध पढ़ा जाता है।

भंग
शास्त्रीय परंपरा इसके लिए कुछ विशिष्ट परिहार भी मानती है — एक ही चन्द्र राशि पर भिन्न नक्षत्र, दोनों पक्षों में एक ही नक्षत्र स्वामी, या दोनों चन्द्र राशियों के स्वामियों का परस्पर मित्र होना। इनमें से कोई यहाँ लागू होता है या नहीं, यह उन स्थितियों पर निर्भर करता है जिन्हें यह अंक-गणना नहीं तौलती, और यही सबसे सामान्य कारण है कि कागज़ पर अस्वीकृत मिलान व्यक्तिगत परामर्श में स्वीकृत हो जाता है।

मंगल दोष

स्थिति	One sided
वर	नहीं
वधू	हाँ

भंग

वर	—

वधू

स्थिति	स्पष्टीकरण
Moon-Mars Conjunction	मंगल चन्द्र के साथ युति में है (चन्द्र से 1ला भाव), जो कुज दोष को निरस्त करता है।
Mars in Kendra from Moon	चन्द्र से भाव 1 में मंगल केन्द्र स्थिति में है, जो कुज दोष को निरस्त करता है।

आपसी	—

फलादेश
मंगल दोष कन्या की कुण्डली में है (लग्न, चन्द्र और शुक्र से गिना गया मंगल), दूसरी में नहीं — और नियम वास्तव में इसी स्थिति के लिए है। यह भंग होता है या नहीं, यह सटीक स्थितियों पर निर्भर करता है — मंगल का स्वराशि या उच्च राशि में होना, शनि या गुरु की भूमिका, या दोनों पक्षों की आयु — और यह गणना नहीं बल्कि विवेक का विषय है। इस रिपोर्ट में यही वह एक बिंदु है जिसे किसी ज्योतिषी के सामने रखना सबसे अधिक उचित है।

व्यक्तित्व

नोट्स
- भावनात्मक रूप से, चन्द्र राशियाँ कन्या और मकर हैं। दो पृथ्वी राशियाँ — स्थिर, व्यावहारिक और टिकाऊ। जोखिम संघर्ष का नहीं, बल्कि जड़ता का है।
- बाहरी व्यवहार में, लग्न मकर और मकर हैं। दो पृथ्वी राशियाँ — स्थिर, व्यावहारिक और टिकाऊ। जोखिम संघर्ष का नहीं, बल्कि जड़ता का है।

निर्णय

स्तर	Needs review

यहाँ अंकों के अतिरिक्त भी कुछ बातों पर विचार करना है

शरीर
दशकूट योग 58.5% और अष्टकूट योग 52.8% है, परंतु भकूट का शून्य होना और केवल एक पक्ष में मंगल दोष अंक-प्रणाली से बाहर हैं। शास्त्रीय परंपरा इन्हें अन्यथा अच्छे कुल योग को भी निरस्त करने में सक्षम मानती है — और इनके लिए ऐसे विशिष्ट परिहार भी मानती है जो उन स्थितियों पर निर्भर करते हैं जिन्हें यह अंक-गणना नहीं तौलती। यही निर्णय वास्तव में ज्योतिषी का काम है, और इसी कारण कागज़ पर अस्वीकृत मिलान व्यक्तिगत परामर्श में प्रायः स्वीकृत हो जाता है।

अवरोधक
Bhakoot at zero | मंगल दोष केवल एक पक्ष में

आपका ब्रांड यहाँ

yourbrand.example · hello@yourbrand.example · +91 00000 00000

इस दस्तावेज़ के बारे में

यह रिपोर्ट प्रदर्शित जन्म विवरणों से गणना की गई एक ज्योतिषीय व्याख्या है। यह शास्त्रीय और आधुनिक विधियों द्वारा कुंडली से पढ़ी गई प्रवृत्तियों का वर्णन करती है; यह निश्चित घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं है, और यह चिकित्सा, कानूनी, वित्तीय या मनोवैज्ञानिक सलाह नहीं है।

96Astro API द्वारा गणना की गई · matching-report · जॉब sample

